मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.07. 2025
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 61 अंक 07 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
जुलाई 2025 बहाई वर्ष : 182

विश्व न्याय मन्दिर

मानवता को ''अब नए गुणों और शक्तियों, नए नैतिक मानकों, नई क्षमताओं से ओत–प्रोत होना चाहिए।'' क्योंकि ''युवाकाल के उपहार और आशीर्वाद, यद्यपि मानव जाति की किशोरावस्था के लिए समीचीन और पर्याप्त थे, अब इसकी परिपक्वता की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं।'' अतः विश्व भर के बहाई समुदायों के लिए चुनौती यह है कि वे अपने समाजों में प्रचलित वर्तमान प्रथाओं का परीक्षण करें, दिव्य शिक्षाओं के प्रकाश में उनका मूल्यांकन करें, अवांछनीय प्रवृत्तियों को निकाल फेंकें तथा नए युग की आवश्यकताओं के अनुरूप पारिवारिक जीवन के नए पैटर्न स्थापित करना सीखें।

19 मार्च, 2025

झारखण्ड में संस्थान पुस्तकों का अध्ययन

मई एवं जून का महीना अधिक से अधिक नए अथवा पुराने मित्रों के साथ संस्थान की पुस्तकों को पूर्ण करने का विशेष समय होता है क्योंकि यह समय ग्रीष्मकालीन अवकाश का होता है, इसलिए इस अवसर का लाभ उठाने की दिशा में इस वर्ष संस्थान मण्डल ने अन्य संस्थाओं से परामर्श के आधार पर पूर्व ही विशेष रणनीतियाँ बनाई थीं जिसके तहत इस वर्ष अधिक–से–अधिक मित्रों को संस्थान की पुस्तकें एवं किशोरों को किशोर पुस्तक और बच्चों को ग्रेड की पुस्तकों का अध्ययन कराया गया। इस वर्ष झारखंड के लगभग 19 क्लस्टरों के 27 से 28 समुदायों में नए अथवा पुराने मित्रों ने संस्थान की पुस्तकें पूर्ण कीं। इस वर्ष संस्थान मण्डल ने विशेष रणनीतियाँ बनते हुए यह निर्धारित किया था कि नए समूहों के साथ–साथ पुराने समूहों की पुस्तकों को भी समाप्त किया जाए। विगत एक महीने के अंतर्गत राज्य में अभी तक 237 मित्रों ने पुस्तक–1, 10 मित्रों ने पुस्तक–2, 13 मित्रों ने पुस्तक–3, 6 मित्रों ने पुस्तक–5, 6 मित्रों ने पुस्तक–10 की पहली इकाई और 7 मित्रों ने पुस्तक–11 पूर्ण की। अभी अधिकतर समूह ऐसे हैं जिनकी पुस्तकें समाप्त नहीं हुई हैं, जिसके चलते पुस्तक–1 की तुलना में अन्य पुस्तकों का अनुपात कम है। आशा है कि इस महीने के अंत तक चल रहे अन्य समूह अपनी पुस्तकें पूर्ण कर लेंगे। जैसा कि विश्व न्याय मंदिर ने बताया है कि हमारी गतिविधियों का स्थान समुदाय स्तर पर अधिक–से–अधिक होना चाहिए। इसी संकल्पना की दिशा में झारखंड में विगत 4 से 5 वर्षों से अधिक–से–अधिक अभियानों तथा प्रशिक्षण समुदाय स्तर पर सम्पन्न किए जाते हैं, जिससे इनका खर्च पूरी तरह समुदाय की सहायता से आत्मनिर्भर होता है और प्रतिभागी भी अच्छी तरह से समय दे पाते हैं और प्रशिक्षण भी अच्छी तरह से मिल पाता है। इन अवकाशों में सघन अध्ययनवृत कक्षा की सहायता से अधिकतर समूहों ने अपना अध्ययन पूर्ण किया। किशोर पुस्तकों का भी अभियान सम्पन्न हुआ, जिसमें संपुष्टि की सुरभि, आशा की किरण, सीधी रह पर चलना जैसी अन्य किशोर

शेष पृष्ठ 4 पर



ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान पुस्तकों का अध्ययन करने वाले समूह

इस अंक में

- झारखण्ड में संस्थान पुस्तकों का अध्ययन 1
- उत्तर प्रदेश की गतिविधियाँ 1
- बिहार में आयोजित गतिविधियाँ 2
- सूचना 2
- मध्य प्रदेश में होने वाली गतिविधियाँ 3
- बाल विवाह मुक्त भारत 4
- समाचारचित्र 3
- निधन 4

उत्तर प्रदेश की गतिविधियाँ

उत्तर प्रदेश के बिसवां और सकरन क्लस्टर समूह के सभी संयोजकों के साथ रेउसा के ईरापुर सुतौली गांव में बैठक हुई, जिसमें सभी संयोजक शामिल हुए। इस बैठक में जुलाई से सितम्बर तक एक चक्र की योजना बनाई गई।

योजना के तहत यह निर्णय लिया गया कि स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के समूह गठित किए जाएं जो एक मंच पर आकर क्षमता निर्माण व सामुदायिक योजना और परामर्श कर सकें।

इसके लिए बिसवां की चार स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं का एक समूह गठित किया गया, जिसमें बिसवां से हसनापुर, रेवा स्थानीय आध्यात्मिक सभा, खैराबाद से सधुवापुर स्थानीय आध्यात्मिक सभा, परसेंडी से बिरैचा स्थानीय आध्यात्मिक सभा, ये चार स्थानीय आध्यात्मिक सभाएँ पहली सामूहिक बैठक के लिए हसनापुर गांव के क्लस्टर विकास समिति के कार्यालय में मिलने के लिए एकत्रित होंगी।

इसी प्रकार सकरन क्लस्टर समूह चार स्थानीय आध्यात्मिक सभाएँ, सकरन की इस्माइलपुर स्थानीय आध्यात्मिक सभा, रेउसा की ईरापुर सुतौली स्थानीय आध्यात्मिक सभा, चन्द्रसेनी स्थानीय आध्यात्मिक सभा और बेंहटा की धनपुरिया स्थानीय आध्यात्मिक सभा, ये चार स्थानीय आध्यात्मिक सभाएँ एक मंच पर बैठक के लिए उपस्थित होंगी।

जिन प्रतिभागियों ने सघन अभियानों के दौरान प्रशिक्षण संस्थान की रूही पुस्तकों का अध्ययन करने के बाद शिक्षक व अनुप्रेरक के रूप में सेवा देना शुरू कर दिया है उनके साथ अगली पुस्तक के अध्ययन की योजना तैयार की गई है।

ग्रेड और लेबल ट्रेनिंग के लिए योजना बनाई गई कि पिछले वर्ष से बहुत–सी ऐसी बच्चों की कक्षाएँ हैं जो पुस्तक समाप्त होने के बाद भी ग्रेड–1 में ही चल रही हैं, इसके लिए दोनों क्लस्टर समूहों से योजना बनाई गई है कि बिसवां से 22 और सकरन से 15 कुल 37 शिक्षकों को ग्रेड–2 का प्रशिक्षण देने के लिए मंच तैयार किया गया है।

ट्रेनिंग के लिए बिसवां से 16 और सकरन से 10 कुल 26 अनुप्रेरकों को लखनऊ बहाई भवन में तीन पुस्तकों का अध्ययन कराया जायेगा। इनमें शामिल पुस्तकें हैं आनन्द का स्रोत, व्यवस्थित मन की आदतें और आशा की किरण।

इस विषय पर चर्चा की गई कि स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सहयोग से कैसे प्रत्येक क्लस्टर नये गांव या पड़ोसी गांवों की योजना तैयार करें कि वहाँ पर भी मानव संसाधन तैयार किए जाएं।

विश्व न्याय मंदिर के मार्गदर्शन के 19 मार्च 2025 के प्रपत्र के अध्ययन की योजना तैयार की गई कि कैसे प्रपत्र को परिवारों

शेष पृष्ठ 3 पर



बैठक में शामिल उत्तर प्रदेश के बिसवां और सकरन के मित्रगण

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

• बिहार में, स्थानीय आध्यात्मिक सभा, पटना की 7 मई 2025 की बैठक में परामर्श के उपरांत निर्णय किया गया कि आगामी 24 मई 2025 को स्थानीय सभा के सभी सदस्य एवं उनके परिवारजन बिहारशरीफ के निर्माणाधीन स्थानीय बहाई उपासना गृह के प्रांगण में प्रार्थना करने जाएंगे।

इसी आलोक में 24 मई 2025 को 45 बहाई मित्रगण एक बस में उपासना गृह का भ्रमण करने गए। निर्माणाधीन स्थानीय उपासना गृह में भ्रमण दल ने सस्वर प्रार्थना एवं प्रांगण का भ्रमण किया, साथ ही निर्माण कार्य प्रबंधक ने परियोजना की जानकारी दी।

सभी बहाई मित्रों के द्वारा लाए गए भोजन को एक–दूसरे के साथ बांटकर खाने का आनंद लिया गया, जिसमें हरगावॉ, तेतरावॉ एवं बिहारशरीफ से मित्रगण; साईट ऑफिस के कर्मचारीगण तथा मजदूर सभी शामिल हुए। सभी मित्रगण काफी प्रसन्न थे कि उन्हें निर्माण स्थल पर प्रार्थना करने का अवसर मिला, साथ ही यहाँ निर्मित हो रहे भवनों के विषय में जानने एवं देखने का अवसर प्राप्त हुआ जो कि सभी के लिए जीवन के एक ऐतिहासिक और यादगार पल के रूप में मन–मस्तिष्क में सदा के लिए अंकित रहेगा।



पटना की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य और उनके परिवारजन निर्माणाधीन स्थानीय उपासना मंदिर के प्रांगण में

• 25 मई 2025 को पटना क्लस्टर के कोठिया समुदाय में दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के साथ ग्राम शिक्षा संवर्द्धन कार्यक्रम के उद्देश्यों को साझा किया गया। इस अवसर पर अनेक बहाई मित्रगण उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम में युवा छात्र बड़ी संख्या में जुड़े इस हेतु छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। सभी छात्रों को सामुदायिक शिक्षा केन्द्र, कोठिया में एक साथ समूहों में अध्ययन करने के लिए प्रेरित एवं आमंत्रित किया गया।



बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री के समक्ष अपनी बात रखते हुए

• बिहार राज्यान्तर्गत अज़मत महीने में कई क्लस्टर के समुदायों जैसे– (चोरसुआ, तेतरावॉ, नवाबगंज, कोठिया, अलौली, हथवन, पूसहो, नारायणपुर एवं हसनपुरा) के स्कूल, कोचिंग संस्थान, शिक्षकगण के साथ एक परामर्शी बैठक की गई। इस अवसर पर शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर अपनी प्रतिभागिता दर्ज़ की। बैठक प्रार्थना और परिचय के साथ शुरू की गई और 'शिक्षा क्या है?' इस मुख्य बिन्दू से वार्तालाप प्रारंभ हुई थी। कुछ बैठकों में सोल संयोजक उपस्थित हुए और शिक्षक के मार्गदर्शन हेतु शिक्षक की सेवा का मूल्य एवं शिक्षा का उद्देश्य जैसे मुख्य विषयों पर परामर्श किया।

यह बैठक शिक्षकों के लिए प्रथम अवसर जैसा था जहाँ पर शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में मदद की और शिक्षकों को यह बैठक काफी रोचक लगी। मित्रों ने अगली बैठक के लिए तिथि भी सुनिश्चित की।

• बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री, श्री अशोक चौधरी से 3 मई 2025 को राज्य स्तरीय बहाई संपर्क समिति के सदस्यों ने भेंट की। इस अवसर पर समिति के सदस्य एवं सहायक मंडल सदस्य ने श्री चौधरी को प्रभुधर्म का संक्षिप्त परिचय देते हुए उन्हें बिहारशरीफ में निर्माणाधीन स्थानीय उपासना गृह तक संपर्क सड़क निर्माण के लिए एक प्रतिवेदन भी दिया।



ग्राम शिक्षा संवर्धन कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

सूचना

महाद्वीपीय सलाहकार मण्डल द्वारा श्री मौनी शंकर मैती को पश्चिम बंगाल का सहायक मण्डल सदस्य (संरक्षण) के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 9 जून, 2025 से आरंभ होकर 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

श्रीमती पूजा भौंसले को महाराष्ट्र एवं गोवा का सहायक मण्डल सदस्य (संरक्षण) के रूप में नियुक्त किया गया है। इनका कार्यकाल 9 जून, 2025 से आरंभ होकर 26 नवम्बर, 2026 तक रहेगा।

उत्तर प्रदेश की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

तक पहुँचाया जाए। इसके लिए बिसवां में 65 परिवारों के समूहों में अध्ययन और सकरन में 55 परिवारों के समूहों में अध्ययन की योजना तैयार की गई। साथ–साथ जितने भी संयोजक, कुछ अनुभवी शिक्षक और अनुप्रेरक हैं उनके साथ ऑनलाइन अध्ययन कर सकें इसकी भी योजना बनाई गई।

क्लस्टर स्तरीय समिति बैठक और समीक्षा बैठक की योजना तैयार की गई और तारीख भी सुनिश्चित की गई, जिसमें चार समीक्षा बैठकों की योजना है।

क्लस्टर विकास समिति बैठक की योजना तैयार की गई प्रत्येक माह में कम–से–कम एक बार सीडीएफ और सीजीसी के साथ बैठक हो। चक्र में एक बार दोनों ग्रुप आफ क्लस्टर की सभी सीजीसी दो दिन के लिए एक मंच पर बैठक करें, जिसके लिए स्थान और तिथि भी सुनिश्चित कर ली गई है।



लखनऊ के बहाई भवन में आयोजित कार्यक्रम के प्रतिभागी

• क्षेत्रीय विकास समितियों की क्षमताओं को विकसित करने के लिए क्लस्टर विकास समिति के क्षेत्रीय दल ने क्षेत्रीय स्तर पर उपक्षेत्रीय सीडीएफ, क्षेत्रीय विकास समिति के सदस्य, उपक्षेत्रीय कार्य दल और सहायक मण्डल सदस्यों के साथ लखनऊ बहाई भवन में 21 जून से 25 जून 2025 तक रूही पुस्तक10 की तीसरी इकाई के अध्ययन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

दो दिन पुस्तक का अध्ययन करने के उपरान्त प्रतिभागियों को दो दलों में बांट कर 23 जून को काकोरी और बन्थरा समुदाय समूहों में भ्रमण के लिए भेजा गया। भ्रमण का उद्देश्य था कि दोनों स्थानों की क्षेत्रीय विकास समिति और कुछ स्थानीय सभाओं से मिल कर उनके बीच के संबंधों को समझना। पुस्तक में अध्ययन किए गए तत्वों को सम्पादित करने के लिए क्षेत्रीय विकास समिति समुदाय की स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं से कैसे सहयोग प्राप्त करती है।

सबसे पहले दल काकोरी की क्षेत्रीय विकास समिति से मिला। समिति के 3 सदस्य उपस्थित थे। समिति के सचिव ने समिति के कार्यों के बारे में प्राप्त अनुभवों को साझा किया। सचिव ने लगभग एक वर्ष में समिति द्वारा किए गए कुछ प्रमुख कार्यों का विस्तार से वर्णन किया, जिसमें स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के साथ मिलकर कार्य करने का अनुभव। वर्तमान में समिति दलों के साथ कैसे कार्य करती है उसके बारे में भी बताया। कोष, शिक्षण, गृह भ्रमण, सामाजिक क्रिया, संवाद और युवाओं के साथ सामंजस्य जैसे विषयों के साथ–साथ स्वास्थ्य के बारे में किए गए कार्यों के अनुभवों को साझा किया गया। पंजीकरण, आंकड़े एकत्रीकरण आदि विषयों को भी समिति स्थानीय सभाओं के साथ मिलकर कर रही है, को भी साझा किया।

इसके बाद काकोरी के दल को दो दलों में विभाजित करके दो स्थानीय सभाओं से मिलने के लिए भेजा गया। एक दल दसदोई स्थानीय सभा से मिला और दूसरा भलिया की स्थानीय सभा से। स्थानीय सभाएँ किस प्रकार अपने कार्यक्षेत्र में प्रभुधर्म की गतिविधियों को सम्पादित करने में मदद कर रही हैं और कैसे उनके समिति के साथ संबंध प्रगाढ़ हो रहे हैं के बारे में सीखा। दलों के प्रतिभागियों द्वारा पूछे गये सवालों के जवाब भी दिए गए। इस पूरे वार्तालाप में काकोरी के दोनों सहायक मण्डल सदस्य उपस्थित थे।

क्षेत्रीय विकास समिति और स्थानीय सभा कुरौनी और हसन खेड़ा से मित्रों ने साझा किया कि समिति स्थानीय सभा और टास्क फोर्स मिल कर योजना बनाते हैं। अभी तक शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक क्रिया एवं सामाजिक संवादों पर विशेष रूप से मिलकर कार्य किया है। डाटा एकत्रित करने के लिए दल बनाकर, ग्राम स्तरीय दल और समन्वयकों के साथ मिलकर कार्य किया जा रहा है। विभिन्न गतिविधियों को लेकर चक्र को सुचारु रूप से चलाने का प्रयास किया जा रहा है। समिति अब प्रत्येक माह स्थानीय सभाओं के साथ मिलकर बैठक करती है। कुरौनी और हसन खेड़ा में समिति स्थानीय सभाओं के साथ परामर्श करके जो परिवार भक्तिपरक कार्यक्रम के लिए नहीं खुले हैं उन्हें खोला है। इन दो गांवों में प्रार्थना करने और बहाई सम्बोधन, अल्लाह–हो–आभा बोलने की एक संस्कृति बन रही है। विशेष रूप से इन दो गांवो में समिति स्थानीय सभाओं के साथ मिलकर योजना बनाती है। पुस्तक का अध्ययन करने के दौरान जिस तरह से प्रतिभागी अपनी प्रतिक्रिया, अनुभव और समझ को साझा कर रहे थे उससे लगा कि वे अवधारणाएँ काफी हद तक समझ रहे हैं।

मध्य प्रदेश में होने वाली गतिविधियाँ

• मध्य प्रदेश के भोपाल बहाई भवन में 7 और 8 जून, 2025 को दो दिवसीय दृढ़ीकरण कक्षा का सफल आयोजन किया गया। इस कक्षा का संचालन उत्तर प्रदेश के एक वरिष्ठ बहाई द्वारा किया गया, जिसमें उपस्थित मित्रों ने न केवल 'सात घाटियाँ' लघु पुस्तिका का अध्ययन किया बल्कि वर्तमान नौ वर्षीय योजना को ध्यान में रखते हुए विभिन्न पृष्ठिभूमि के मित्रों के साथ प्रत्यक्ष शिक्षण की कला को भी सीखा।

स्थानीय आध्यात्मिक सभा भोपाल के इस आयोजन में भोपाल के अलावा मध्यप्रदेश के मुरैना, उज्जैन आदि के बहाई मित्रों सहित लगभग 35 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में दिव्यात्मा बाब और बहाउल्लाह के स्थान की बहुत ही आकर्षक और प्रभावपूर्ण व्याख्या करते हुए 'सात घटियाँ' का अध्ययन प्रारंभ किया। साथ ही वर्तमान नौ वर्षीय योजना में भोपाल सब–रीजन के लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने के तरीकों को भी बताया। मित्रों की सार्वभौमिक सहभागिता से यह दो दिवसीय आयोजन पूर्णरूपेण आत्मनिर्भर रहा।



भोपाल में आयोजित दृढ़ीकरण कक्षा में शामिल होने वाले प्रतिभागी

• इन्दौर समुदाय के मित्रों ने 28 मई 2025 को विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्र 19 मार्च 2025 का अध्ययन पूरे आध्यात्मिक वातावरण में बड़े ही उत्साह के साथ किया। इस अध्ययन में समुदाय के 14 मित्रों ने भाग लिया।



विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्र का अध्ययन करते हुए मित्रगण

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi P.S.O. | Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26

बाल विवाह मुक्त भारत

भारत के बहाई समुदाय के जनसंपर्क कार्यालय ने ABHAS (एक्शन बियॉन्ड हेल्प एंड सपोर्ट) के सहयोग से 29 मई 2025 को ''बाल विवाह मुक्त भारत : सामूहिक कार्रवाई का आह्वान'' विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन बाल विवाह के गंभीर मुद्दे पर साझा सीख और चिंतन के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है–जो पारिवारिक संरचनाओं, सामाजिक मानदंडों, कानूनी ढाँचों और शिक्षा के साथ जुड़ा हुआ है, इसमें लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इन व्यक्तियों ने तकनीकी अंतर्दृष्टि और जमीनी स्तर की कहानियाँ दोनों ही पेश कीं और मजबूत कानूनी जागरूकता, रोकथाम के प्रयासों और समुदाय–आधारित दृष्टिकोणों का आह्वान किया।



सम्मेलन में चर्चा करते हुए प्रतिभागी

वक्ताओं ने साझा किया कि बाल विवाह न केवल मानवाधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह पीढ़ियों के लिए हानिकारक भी है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक योगदान को प्रभावित करता है।

बाल विवाह को समाप्त करने के लिए व्यक्तियों, समुदायों और संगठनों की जिम्मेदारी आवश्यक है। बच्चों को अपने समुदायों को आकार देने में सक्रिय भागीदार के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए बाल–केंद्रित संगठनों, सामुदायिक सहभागिता और सरकारी सहयोग को शामिल करते हुए एक बहुक्षेत्रीय और निवारक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। धार्मिक नेताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि हानिकारक मानदंडों को चुनौती देने और बाल कल्याण को बढ़ावा देने में उनका प्रभाव है, क्योंकि वे समुदाय में सबसे भरोसेमंद आवाजों में से एक हैं।

सम्मेलन का समापन सहयोग, कानूनी साक्षरता और जमीनी स्तर पर लामबंदी के लिए एक मजबूत आह्वान के साथ हुआ। जैसा कि उपस्थित एक वक्ता ने बलपूर्वक कहा–''बाल विवाह को समाप्त करने के लिए कानून से कहीं अधिक की आवश्यकता है – इसके लिए दृष्टिकोण, प्रणालियों और सार्वजनिक चेतना में परिवर्तन की आवश्यकता है। समाज के हर क्षेत्र को इस चुनौती का सामना करना चाहिए ताकि हर बच्चा सुरक्षा, सम्मान और आशा के साथ बड़ा हो सके।'' यह सम्मेलन बाल विवाह से मुक्त भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम था।

झारखण्ड में संस्थान पुस्तकों का अध्ययन

पृष्ठ 1 का शेष

पुस्तकें किशोरों के साथ समाप्त की गईं। इस वर्ष 5 किशोर समूह ऐसे थे जिन्हें सघन रूप से चलाते हुए कम–से–कम एक से दो किशोर पुस्तक समाप्त करते हुए उन्हें अगली पुस्तक श्रेणी में भेजा गया। इसी प्रकार दो ऐसे बच्चों की कक्षाएं थीं जिन्हें सघन रूप से चलाते हुए ग्रेड–1 से 2 में और एक कक्षा को ग्रेड–2 से 3 में भेजा गया।

पुस्तक–1 की तुलना में अभी तक 150 नई भक्तिपरक सभाएँ शुरू हुई हैं अन्य परिवारों में शुरू करने की प्रक्रिया साथ–साथ चल रही है। विगत महीने पूरी तरह से राज्य स्तरीय मित्रों और क्लस्टर स्तरीय मित्रों एवं अन्य मित्रों ने अपनी पूरी ऊर्जा इन अवकाशों पर केंद्रित की। पिछले महीने के दौरान कुचाई क्लस्टर को दूसरे मील पर पहुँचाया गया और तीन नए क्लस्टरों को खोला गया।

समाचारचित्र



ओडिशा में रूही पुस्तक–12 के अध्ययन का आयोजन किया गया। इस अध्ययन कार्यक्रम में भुवनेश्वर, नीमापारा, गोप, नियाली, लेफरीपाड़ा, संबलपुर और पटना से आए 22 मित्रों ने भाग लिया।



पर्यावरण दिवस के अवसर पर झारखण्ड में पटमदा के किशोरों ने एक बैठक कर अपने समुदाय में वृक्षारोपण का अभियान चलाया। इस अभियान में लगभग 15 से 20 किशोर शामिल हुए, उन्होंने अनुपयोगी स्थानों का चयन करते हुए वहां पर उपयोगी पौधे लगाए। इस कार्य की समुदाय के अन्य वर्गों के लोगों ने भी खूब सराहना की।

● निधन

श्रीमती सुनीता कुलकर्णी



हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि महाराष्ट्र में कल्याण की स्थानीय आध्यात्मिक सभा के सदस्य की माताजी श्रीमती सुनीता कुलकर्णी का निधन 30 मई, 2025 को हो गया। वे 84 वर्ष की थीं। वह पिछले दो दशकों से अधिक समय से कल्याण समुदाय के लिए प्रेमपूर्ण प्रेरणा का स्रोत रहीं। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.07.2025
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)